**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Development of Mandsaur Parliamentary Constituency including Gandhi Sagar wildlife sanctuary as Tourist destination.

**श्री सुधीर गुप्ता (मन्दसौर):** सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मेरे संसदीय क्षेत्र में वन पर्यावरण एवं पर्यटन, दोनों मंत्रालयों का ध्यान माननीय नरेन्द्र मोदी जी के वन संरक्षण पर्यावरण एवं पर्यटन के प्रयासों के प्रभाव की ओर दिलाना चाहता हूँ तथा दोनों मंत्रालयों से संरक्षण चाहता हूँ । गांधी सागर अभयारण्य एक नया उभरता हुआ ऐसा नाम है, जो 368 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है । यहां पर चंबल नदी का किनारा है और यहां घड़ियाल बड़ी संख्या में विकसित हुए हैं । वन विभाग, वाइल्ड लाइफ नेचर कंजर्वेशन और टाइगर फाउंडेशन के 81 पक्षी विशेषज्ञों ने 200 के लगभग अद्भुत, विलुप्त और विश्व में कहीं नहीं होने वाले पक्षियों को चिह्नित किया है । गिद्द संरक्षण अभियान के तहत वहां पिछले 6-7 सालों के अंतर्गत सात प्रजातियों के 700 गिद्द संरक्षित हुए हैं । वर्तमान में अभयारण्य में लगभग 70 तेंदुए मौजूद हैं ।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार भारत में सन् 193**0** के बाद पहली बार अफ्रीकी चीते आने का इंतजार है । हम सभी मेरे संसदीय क्षेत्र गांधी सागर में उनका आने का इंतजार कर रहे हैं । 500 के लगभग चीतल अफ्रीकी भूमा पद्धति से गांधी सागर, मन्दसौर, नीमच में छोड़े गए हैं । मैं आग्रह करना चाहता हूँ कि जिस तरह से इस क्षेत्र का विकास हो रहा है, उसके परिप्रेक्ष्य में वन विभाग जनता के लिए इस अभ्यारण्य को खोलने की प्रकिया प्रारम्भ करे । साथ ही भारत महोत्सव के दौरान मेरे संसदीय क्षेत्र की उमा-महेश की प्रतिमा वाशिंगटन गई थी और वहां एक अद्भुत नंदी भी है । मेरे संसदीय क्षेत्र में दुनिया का दूसरा मूवमेंट रॉक कटिंग भी है । भारत सरकार ने उसे स्वदेश दर्शन और बौद्ध सर्किट से जोड़ा है । मैं चाहूंगा कि पर्यटन विभाग और वन विभाग दोनों मिलकर इसको पर्यटन के उभरते हुए नक्शे में सम्मिलित करे ।